महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552

मो. 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 03.02.2016

प्रकाशनार्थ

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है। उसमें असीम ऊर्जा है। सही दिशा और सार्थक प्रयास के द्वारा क्रियात्मक शक्ति विकास करके चरमोत्कर्ष की प्राप्ति की जा सकती है। दुनिया के तमाम महान व्यक्तित्व भी एक समय में साधारण मनुष्य रहे लेकिन रचनात्मक सोच और लगन ने उनको उच्च स्थान प्रदान करा दिया। पारिवारिक सहयोग और सामाजिक सामर्थ्य के द्वारा व्यक्तित्व में और भी निखार लाया जा सकता है। विशेष रूप से शिक्षण संस्थाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका इस क्षेत्र में निर्वहन करती हैं। इस दृष्टि से शिक्षक का आचरण, व्यवहार और छात्र के अन्दर के कौशल को पहचाने की क्षमता पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का छोटी रेतवहिया जंगल धूसड़ में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के बौद्धिक सत्र में **'विद्यार्थियों में क्रियात्मक शक्ति और उसको विकास'** विषय पर बोलते हुए किसान पी.जी. कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य, प्रतिष्ठित साहित्यकार **डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय** ने कही।

उन्होंने कहा कि स्वयं की पहचान और उच्च लक्ष्य के बीच सामंजस्य और जीवन दृष्टि के द्वारा कठिन से कठिन चुनौतियों की सामना किया जा सकता है। विद्यार्थी जीवन में इसकी अनन्त संभावनाएं होती हैं। विशेष रूप से शिक्षा के साथ–साथ समाज सेवा का भाव व्यक्तित्व को और भी सुन्दर और प्रभावशाली बनाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयं सेवक और उसके कार्यक्रम समाज के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आज का स्वयं सेवक कल समाज के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम बनता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की दृष्टि ही उसे महत्वपूर्ण और महान बना सकती है।

इससे पूर्व सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया और आभार ज्ञापन क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित स्वंय सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

(डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी)

प्रभारी, सूचना एवं परामर्श